# युवा फ्रेडरिक डगलस

# स्वतंत्रता सेनानी

एंड्रयू वुड्स, चित्र : एलन

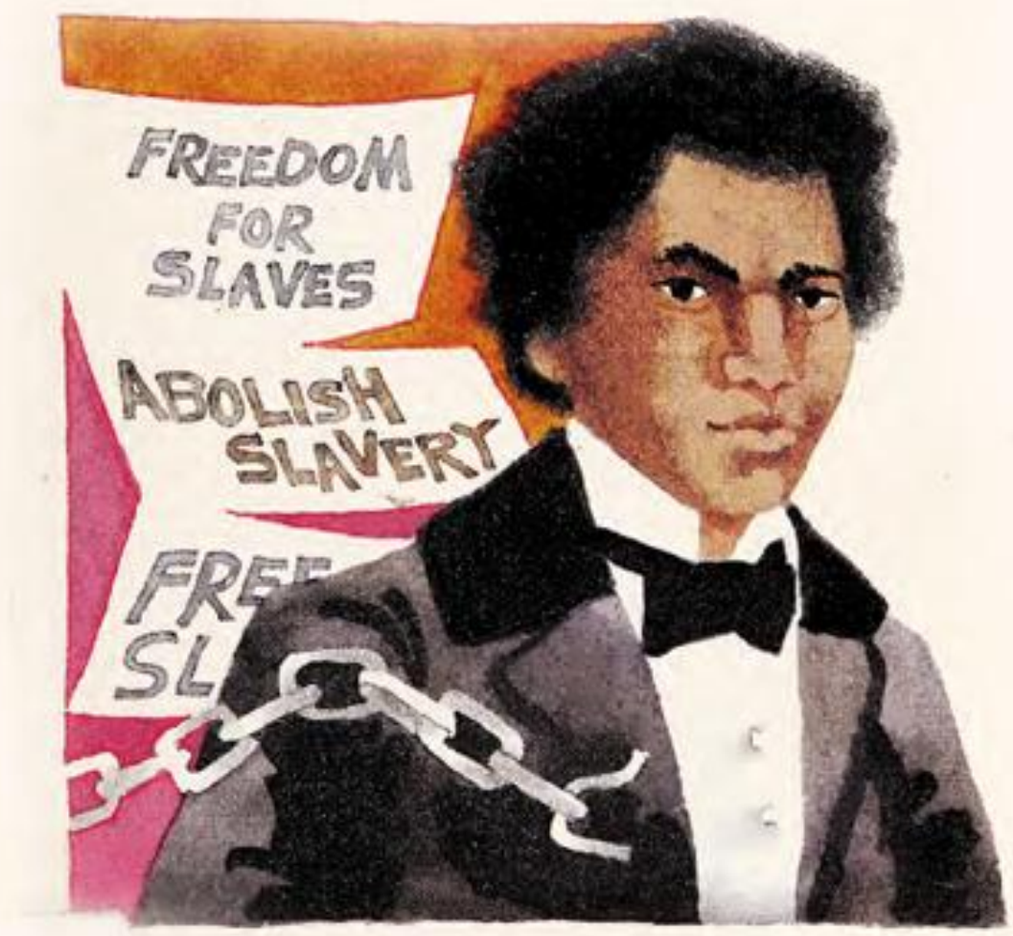

फ्रेडरिक एक गुलाम पैदा हुए थे. लेकिन बाद में वो एक महान नेता बने जिन्होंने अफ्रीकी-अमेरिकियों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी.

फ्रेडरिक बेली का जन्म 1817 में मैरीलैंड में हुआ था. उनकी मां एक गुलाम थीं. मालिक ने उन्हें अपने बेटे को साथ में पालने नहीं दिया. इसलिए फ्रेड अपने दादा-दादी, बेट्सी और इसहाक बेली के साथ रहकर पला-बढ़ा.

फ्रेड खुश था. उसे अपने चचेरे भाइयों के साथ खेलना, अपनी दादी-माँ की मदद करने में और नदी में मछली पकड़ने में मज़ा आता था.

क्योंकि वो एक गुलाम था, इसलिए फ्रेड को हर साल केवल घुटने की लंबाई वाली दो शर्ट ही मिलती थीं. ये कमीज़ें उसे ठंडी सर्दियों और गर्म गर्मियों में पहननी पड़ती थीं.

जब फ्रेड 7 साल का हुआ, तब दादी-माँ उसे अपने मालिक, कैप्टन एंथनी के बागान में ले गईं. दादी-माँ उसे छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं था. फ्रेड डरा हुआ और अकेला था.

कैप्टन एंथनी के फार्म पर फ्रेड ने, गायों को दूने के लिए लाने में मदद की. उसने खलिहान की सफाई की और कैप्टन एंथोनी के छोटे-छोटे काम किए. काम बहुत कठिन नहीं होते थे, लेकिन फ्रेड हमेशा थका हुआ और भूखा रहता था.

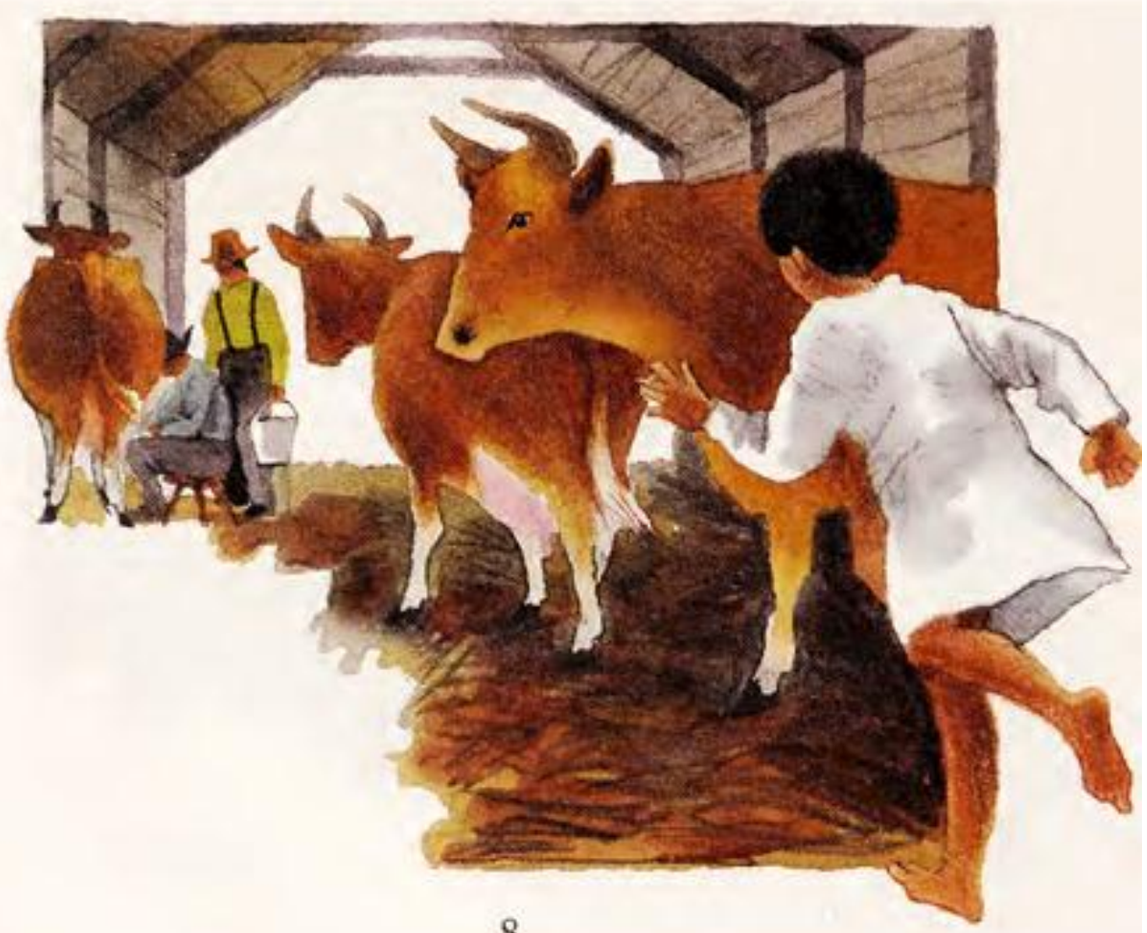

गुलामों को सूर्योदय से पहले उठना पड़ता था और अंधेरा होने तक वो अपना काम बंद नहीं कर सकते थे. नाश्ते में बच्चे एक बड़े बर्तन में से मक्के का दलिया खाते थे. रात के खाने में उन्हें अक्सर मक्के की रोटी का एक टुकड़ा मिलता था.

एक रात, रसोइए ने फ्रेड को रात का खाना नहीं दिया. फ्रेड रसोई के बाहर बैठा रहा. भूख के कारण उसे नींद नहीं आई. अचानक उसके पास एक आश्चर्यजनक आगंतुक आया - उसकी माँ! माँ उससे मिलने के लिए 15 मील दूर स्थित एक फ़ार्म से रात को चल कर आईं थीं.

माँ ने फ्रेड को उठाया और उसे खाने के लिए एक जिंजर केक दिया. माँ ने रसोइए से फ्रेड के साथ बेहतर व्यवहार करने के लिए भी कहा. तब फ्रेड को यह पता चला कि उसकी मां उससे बहुत प्यार करती थीं और हमेशा उसके बारे में ही सोचती रहती थीं.

जब फ्रेड 8 वर्ष का हुआ तब उसे कैप्टन एंथोनी के रिश्तेदारों के लिए काम करने के लिए बाल्टीमोर भेज दिया गया. उनका नाम था सोफिया और ह्यूग औल्ड. फ्रेड को उस दंपत्ति के छोटे बेटे टॉमी की देखभाल करनी थी. यहां फ्रेड के साथ अच्छा व्यवहार किया गया और उसे खाने के लिए भरपूर मिला.

हर दोपहर, मिसेज़ औल्ड, टॉमी और फ्रेड को बाइबल पढ़कर सुनाती थीं. फ्रेड को कहानियाँ सुनना बहुत पसंद आईं. उसने मिसेज़ औल्ड से उसे पढ़ना सिखाने के लिए कहा.

मिसेज़ औल्ड, फ्रेड को पढ़ाकर खुश थीं. फ्रेड को दोपहर के ये पाठ बहुत पसंद आते थे. उसने जल्दी से वर्णमाला सीख ली. जल्द ही वो कई छोटे शब्दों का उच्चारण भी करने लगा.

एक दिन मिसेज़ औल्ड ने अपने पति को बताया कि फ्रेड कितनी तेजी से सीख रहा था. मिस्टर औल्ड को बहुत गुस्सा आया. उन्होंने कहा कि गुलामों के लिए पढ़ना सीखना कानून के खिलाफ था. उसके बाद मिसेज़ औल्ड ने फ्रेड को फिर कभी नहीं पढ़ाया.

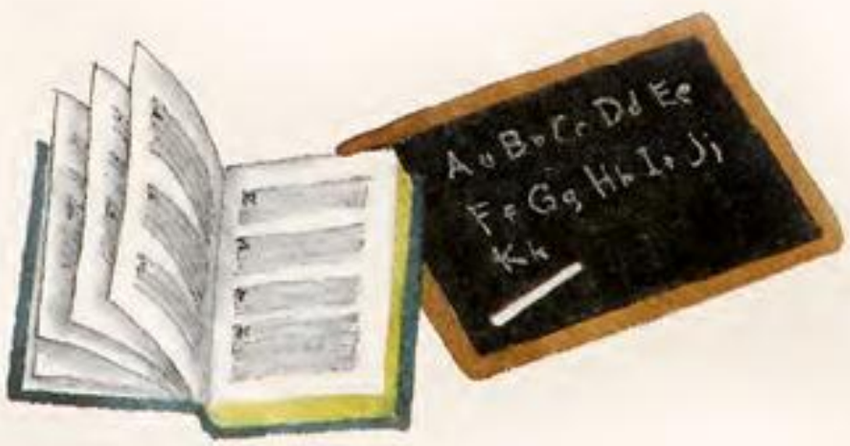

लेकिन फ्रेड अभी भी सीखना चाहता था. उसने खुद को पढ़ना और लिखना सिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा.

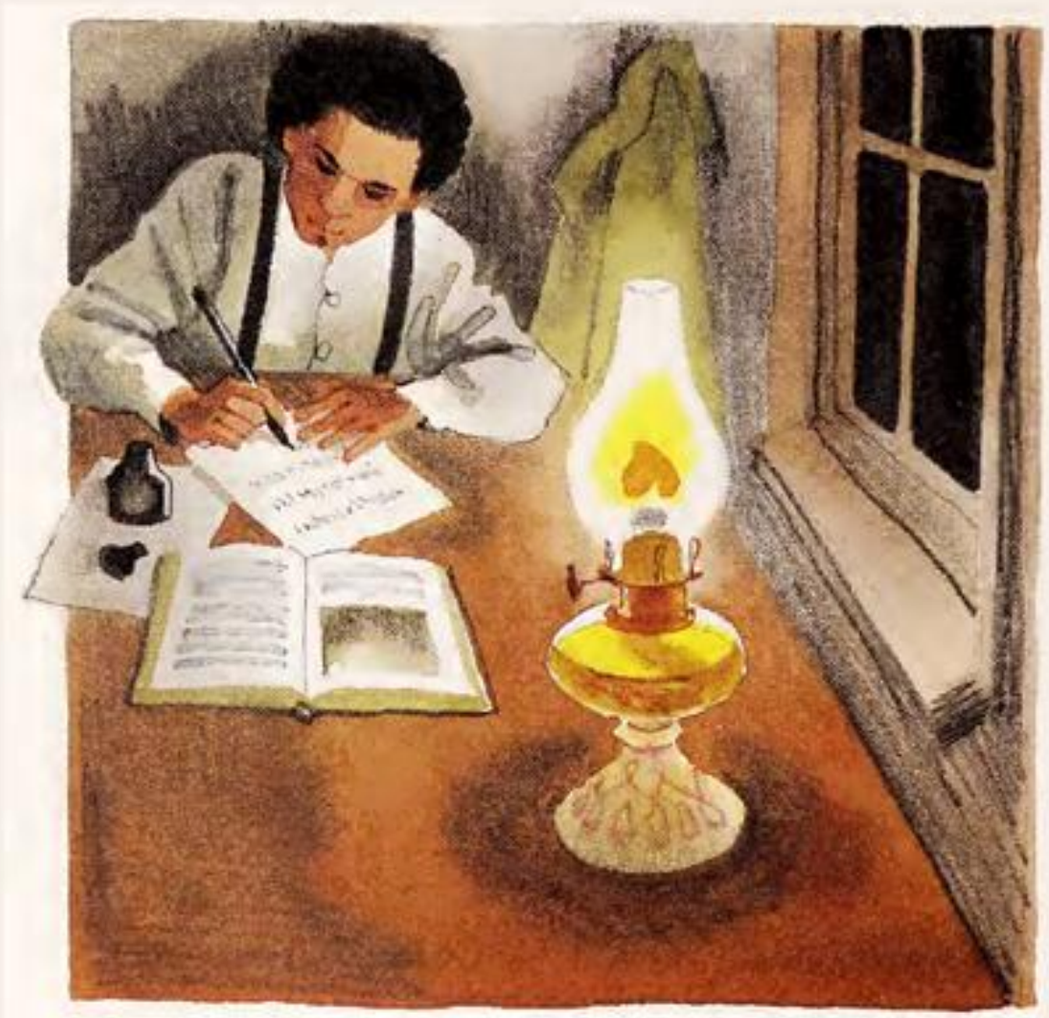

मार्च 1833 में, फ्रेड को वापस फार्म पर काम करने भेज दिया गया. उसके नए मालिक ह्यूग औल्ड के भाई थॉमस औल्ड थे. वो अक्सर अपने गुलामों को पीटते थे. उन्हें फ्रेड पसंद नहीं था और वो उसके साथ कठोर व्यवहार करते थे.

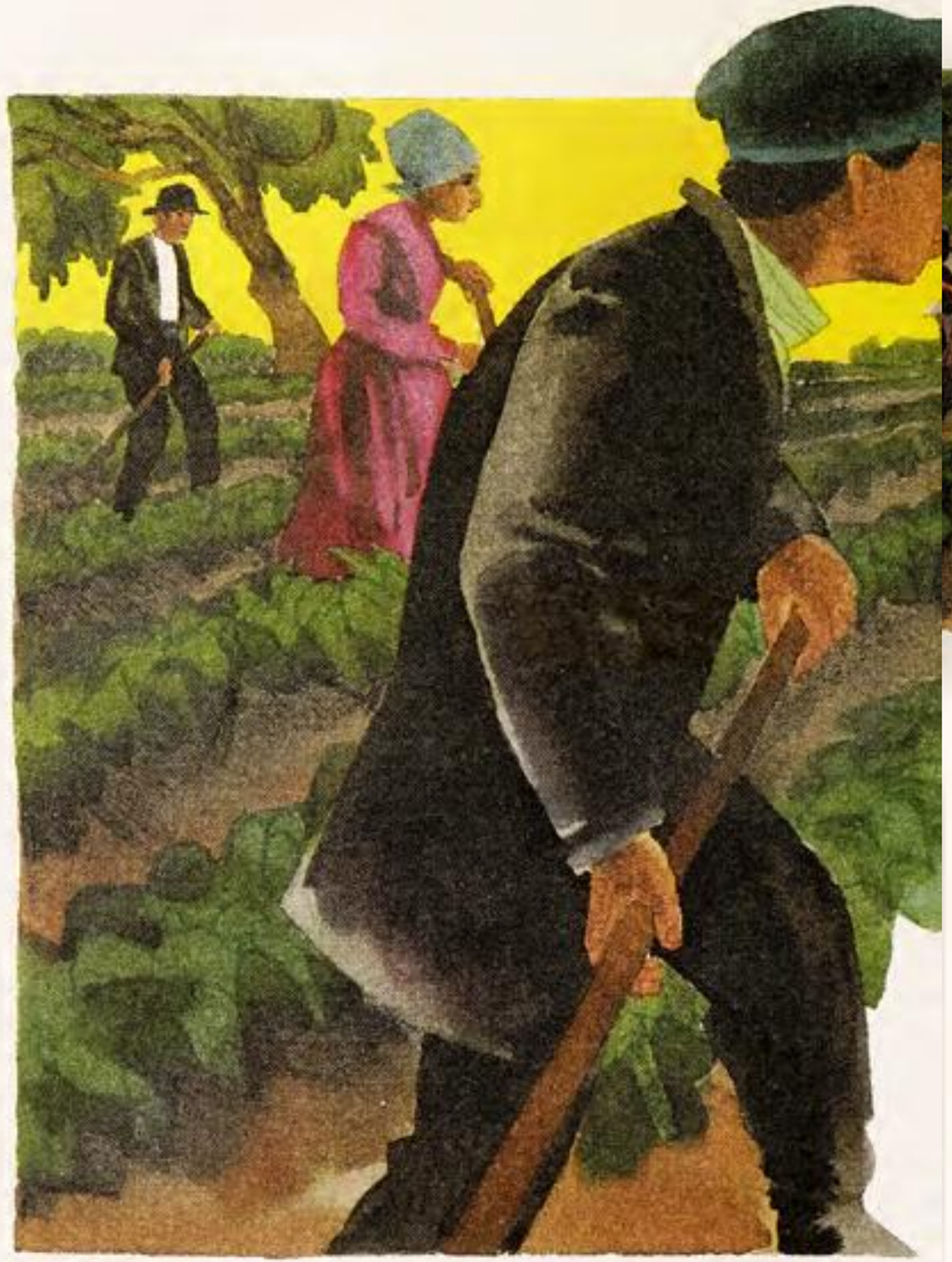

जब फ्रेड 17 वर्ष के थे, थॉमस औल्ड ने फ्रेड को एडवर्ड कोवे के खेत में भेज दिया. कोवे ने "परेशानी पैदा करने वाले" गुलाम को एक आज्ञाकारी गुलाम में बदलने का वादा किया.

फ्रेड बहादुर था. एक दिन, जब कोवे उसे पीट रहा था, फ्रेड ने उससे लड़ाई लड़ी और वो जीत गया.

उसके बाद, फ्रेड एक स्वतंत्र व्यक्ति होने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ हुआ.

कुछ साल बाद, फ्रेड को वापस बाल्टीमोर भेज दिया गया. वहां उसने एक शिपयार्ड में काम किया. अब वो खुश था, लेकिन वो फिर भी मुक्त होना चाहता था.

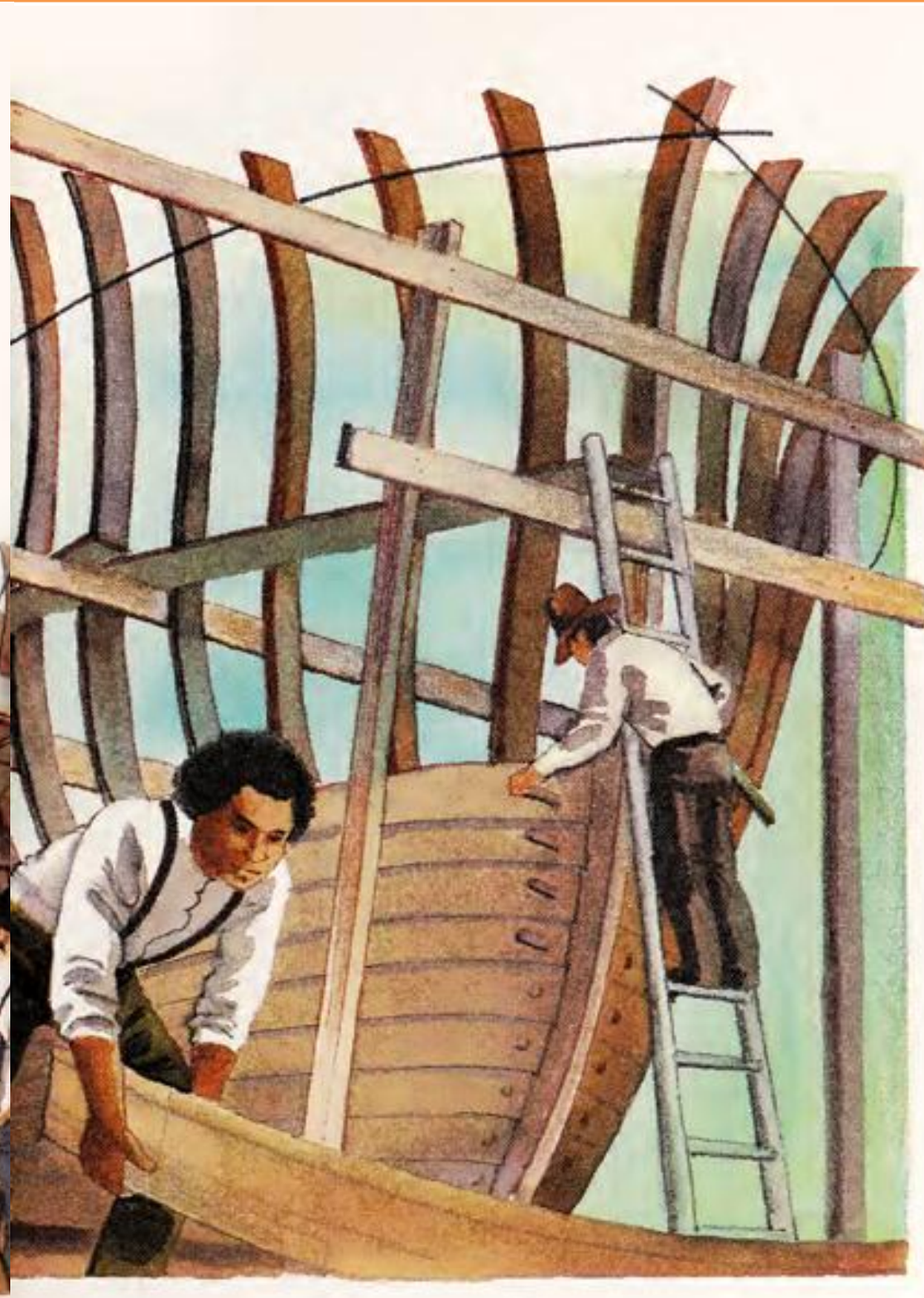

एक दिन उसकी मुलाकात एक स्वतंत्र अश्वेत नाविक से हुई. उस नाविक के पास वो कागजात थे जो साबित करते थे कि वो एक स्वतंत्र व्यक्ति था. नाविक ने फ्रेड को वो कागज़ात और एक वर्दी उधार दी जिससे फ्रेड उत्तर की ओर भाग सके, जहां पर दासता अवैध थी.

3 सितंबर, 1838 को, फ्रेड अपनी स्वतंत्रता के लिए भाग गया. उसने न्यू बेडफोर्ड, मैसाचुसेट्स के लिए एक ट्रेन ली. उसने गिरफ़्तारी से बचने के लिए अपना नाम फ्रेडरिक बेली से बदलकर फ्रेडरिक डगलस कर लिया.

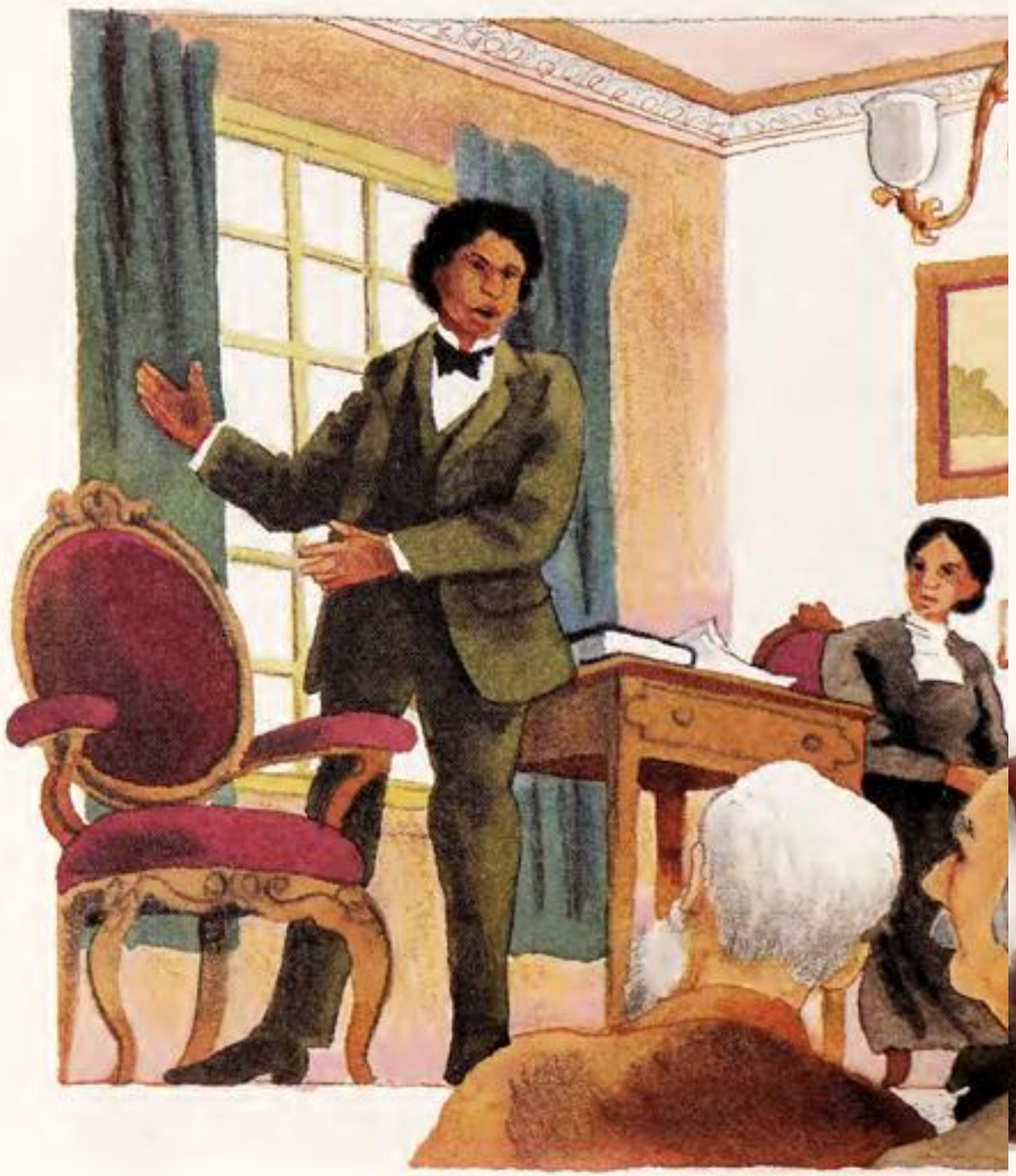

न्यू बेडफोर्ड में, डगलस को एक शिपयार्ड में नौकरी मिली. बाद में उसने बाल्टीमोर की एक स्वतंत्र अश्वेत महिला अन्ना मरे से शादी की.

डगलस उन्मूलनवादियों के एक समूह में शामिल हो गया. ये वे लोग थे जो गुलामी को खत्म करना चाहते थे. 1841 में फ्रेड ने गुलामी के खिलाफ अपना पहला भाषण दिया. उनका भाषण दर्शकों के बीच बड़ा हिट हुआ.

अगले चार वर्षों में, डगलस ने बहुत कुछ किया. उन्होंने बहुत जगह भाषण दिए. उन्होंने अपने जीवन के बारे में एक किताब भी लिखी.

औल्ड्स ने डगलस की किताब पढ़ी. वे बहुत गुस्सा हुए. वो चाहते थे कि उनका भगोड़ा गुलाम वापस लौटकर आए. पर डगलस, इंग्लैंड चला गया ताकि वो पकड़ा न जाए.

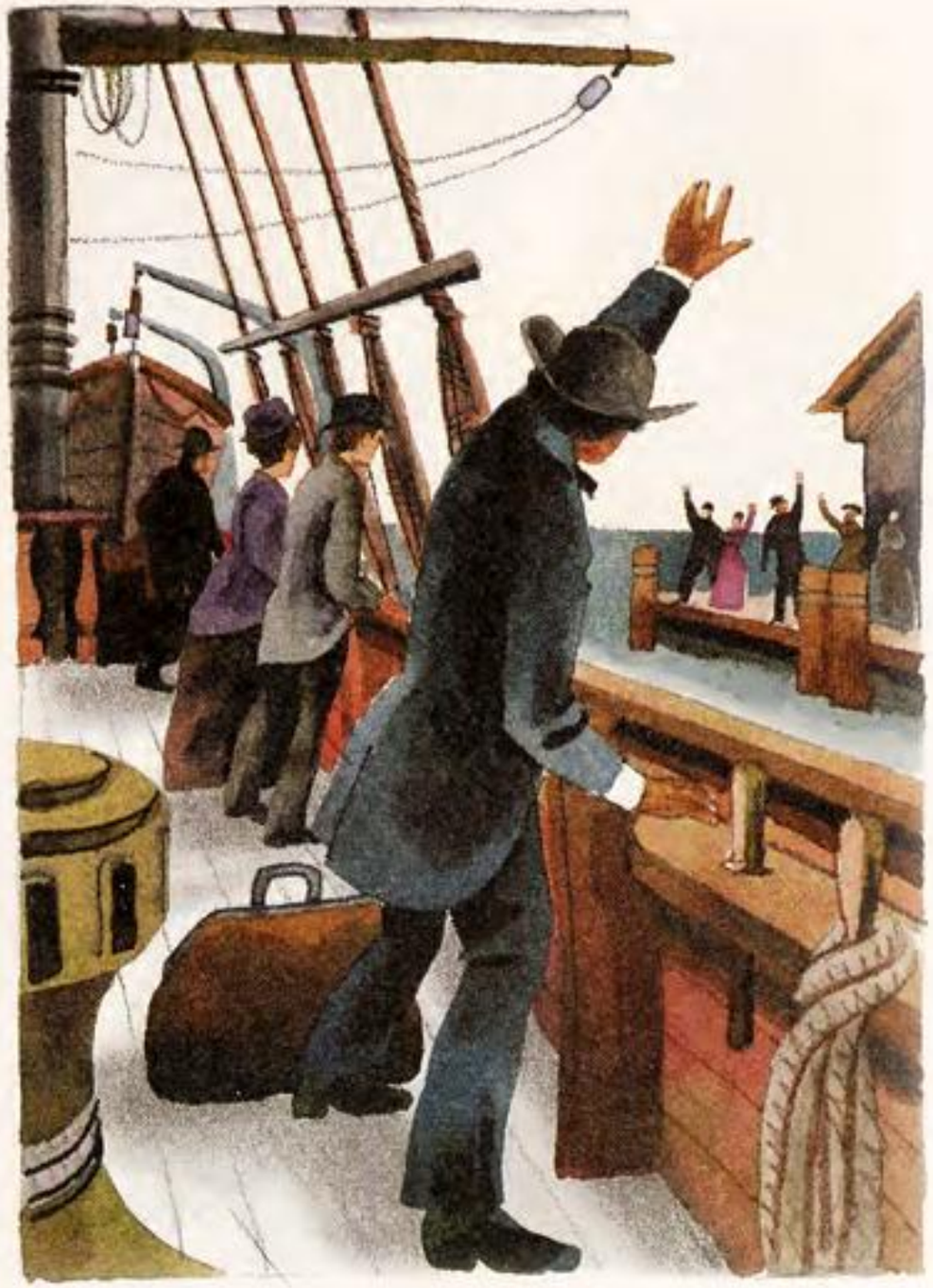

इंग्लैंड में, डगलस एक लोकप्रिय वक्ता और लेखक बने. वहां उन्हें ऐसे दोस्त मिले जिन्होंने औल्ड्स से उसकी आज़ादी खरीदने के लिए पर्याप्त धन जुटाया.

दो साल बाद, डगलस संयुक्त राज्य अमेरिका लौट आए और रोचेस्टर, न्यूयॉर्क चले गए. उन्होंने "द नॉर्थ स्टार" नामक एक गुलामी-विरोधी अखबार शुरू किया.

जब गृहयुद्ध शुरू हुआ, तो डगलस ने राष्ट्रपति लिंकन से काले सैनिकों को केंद्रीय सेना में भर्ती करने के लिए कहा. लिंकन उनकी बात से सहमत हुए.

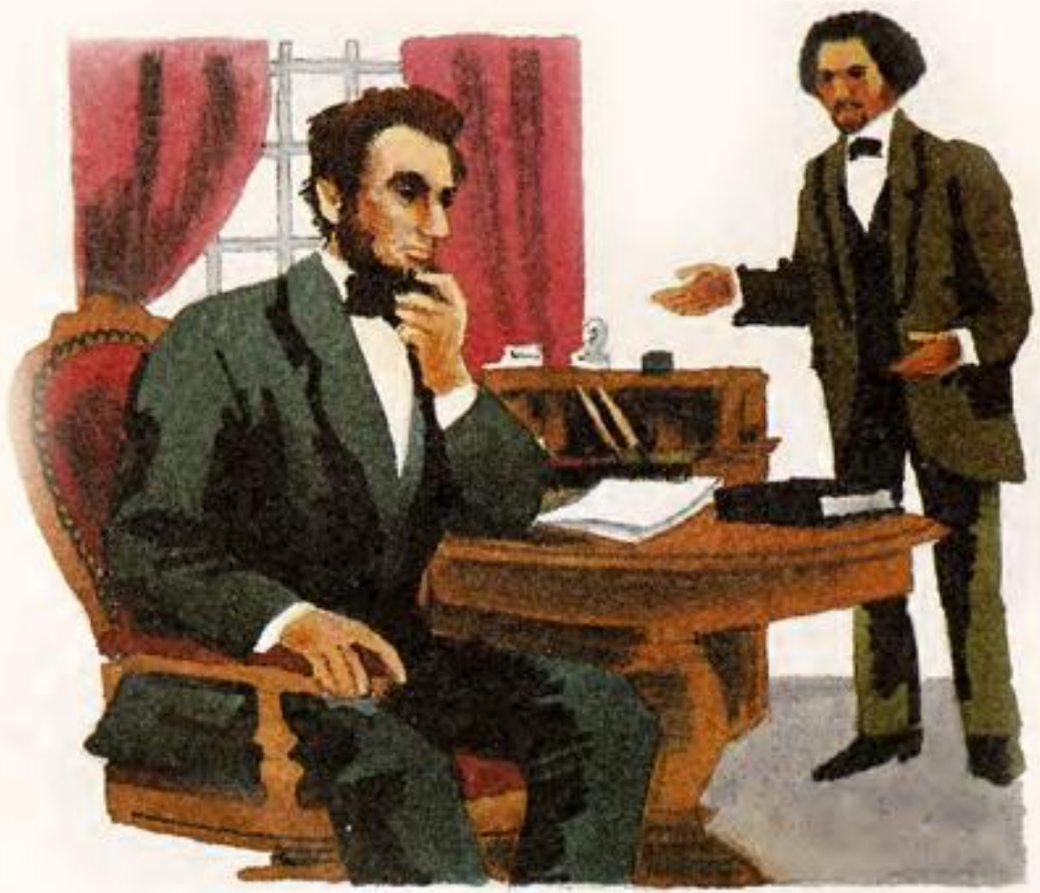

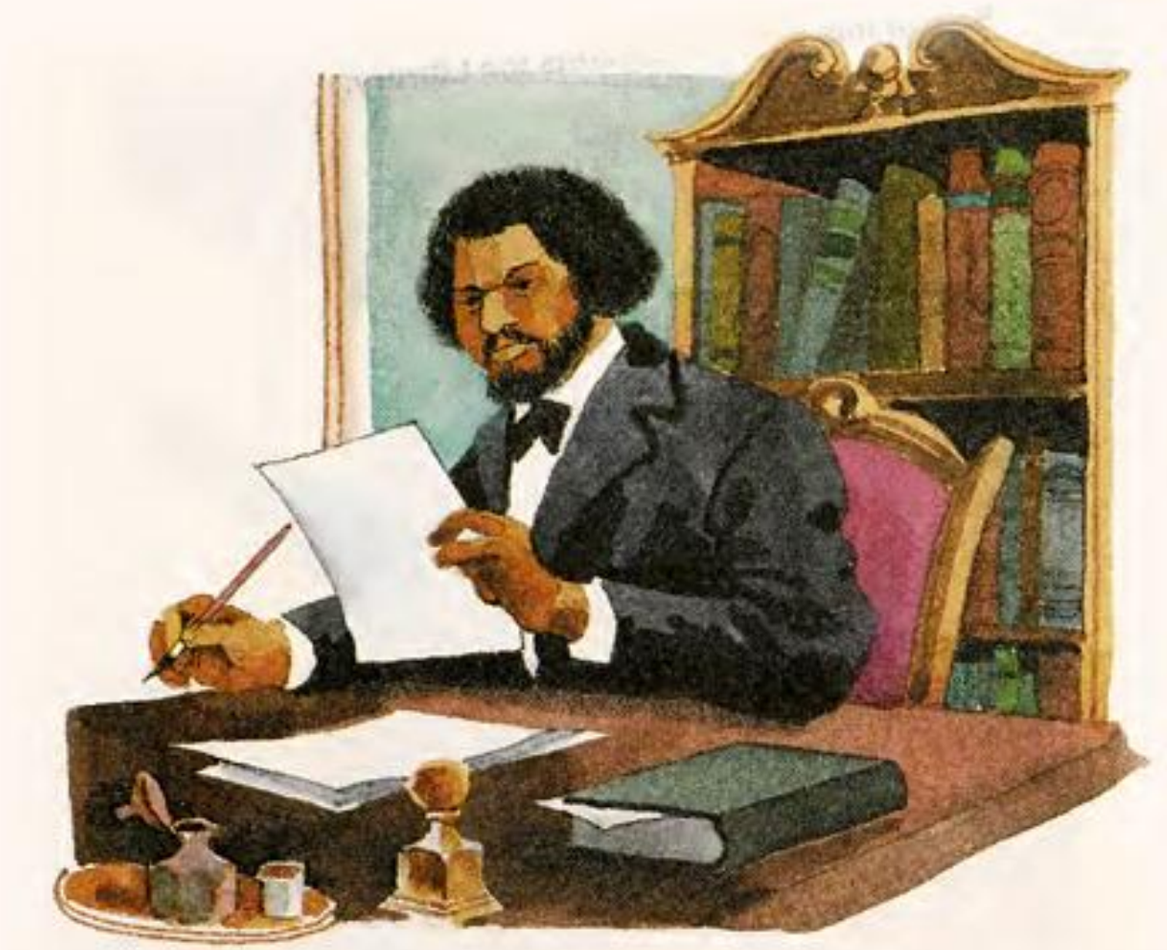

गृहयुद्ध ने गुलामी को समाप्त कर दिया. लेकिन डगलस ने नागरिक अधिकारों और अश्वेत लोगों की स्वतंत्रता के लिए अपनी लड़ाई जारी रखी. 20 फरवरी, 1895 को उनकी मृत्यु हुई.

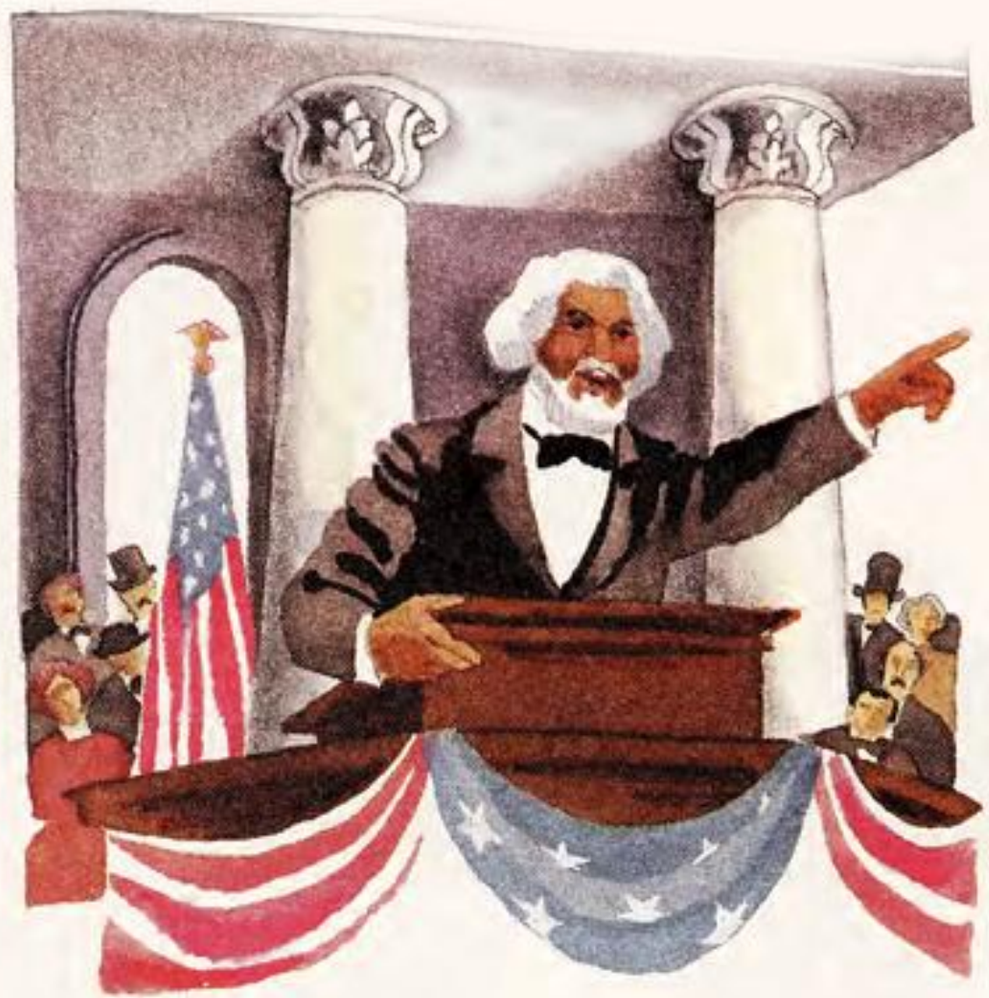

फ्रेडरिक डगलस के शब्दों ने कई लोगों को
स्वतंत्रता की राह लेने के लिए प्रेरित किया:

"सभी के लिए स्वतंत्रता."

समाप्त